विद्यालय में एक वार्डन की नियुक्ति भी की गयी है जिसका काम यह देखना है कि कोई भी छात्र प्रधानाचार्य के आदेश का उल्लंघन न करे।

महोदया, यह कार्य जितना अमानवीय है उतना ही निर्मम भी है। मैं अनुरोध करती हूं कि इसकी समुचित जांच करके वहां के छात्रों को समुचित न्याय दिलाया जाए ताकि वे बच्चे दुनिया देखने के अधिकार से वंचित न होने पायें। धन्यवाद।

THE DEPUTY CHAIRMAN: The House is adjourned for one hour for lunch.

The House then adjourned for lunch at forty-two minutes past one of the clock.

The House reassembled after lunch at forty-six minutes past two of the clock,

The Deputy Chairman in the Chair

उपसभापति (श्री सतीश प्रधान): आपका एक स्पेशल मेंशन रह गया है। आप बोल लें, फिर बाकी काम करेंगे।

**Drought condition in Maharashtra**

श्री सतीश प्रधान (महाराष्ट्र): थैंक्यू मैडम। मैं इस सदन के माध्यम से माननीय प्रधान मंत्री जी का ध्यान एक ऐसे विषय की ओर खींचना चाहता हूं जोकि महाराष्ट्र के लिए अतिशय महत्वपूर्ण है।

मैडम, इस वर्ष महाराष्ट्र में बारिश अच्छे ढंग से नहीं हो पायी और आज महाराष्ट्र के कई जिलों की हालत बहुत खराब हो गयी है। राज्य के 14 जिलों में पानी की कमी से सूखे की स्थिति बन गयी है। इन जिलों में, 11837 गांवों में पीने के पानी का संकट पैदा हो गया है और राज्य के गांवों में पीने का पानी टेंकरों द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है, लेकिन इस कार्य के लिए टेंकरों की संख्या भी कम पड़ गयी है। गांवों में हैंडपंप फेल हो गए हैं और उपरोक्त कमी के कारण इन्हें फिर से चालू करने में भारी कठिनाइयां आ रही हैं।

मैडम, मराठवाड़ा क्षेत्र में 1972 ईसवी में पड़े सूखे की तुलना में इस बार की स्थिति और बिगड़ गयी है। मराठवाड़ा के बीड, परवरी, लातुर, उस्मानाबाद नांदेड़ और शोलापुर जिलों में दुष्काल की छाया पूरी तरह से दिखायी देने लगी है। इस क्षेत्र में पानी का स्तर 3 मीटर से नीचे चला गया है। वहां अन्न और पशुओं के चारे के लिए भी पानी की कमी पैदा हो गयी है। इस कारण लोगों ने अपना घर छोड़कर भागना शुरू कर दिया है। चारे की कमी के कारण लोग अपने जानवरों को बेच रहे हैं। इतना ही नहीं लातुर और उस्मानाबाद के भूकंपग्रस्त इलाके में बनाए जा रहे मकान भी अधूरे रह सकते हैं। शोलापुर जिले में हर साल की अपेक्षा इस साल 40—50 प्रतिशत ही बारिश हुई। नांदेड़, परवरी आदि जिलों में मूंग उड़द, तिल, कपास, सूर्यमुखी आदि की फसल नष्ट हो गयी है। लोगों को अपने घर छोड़कर रोजगार की तलाश में भागना पड़ रहा है। अकेले बीड जिले में 5 लाख से अधिक लोग रोजगार की तलाश में बाहर गए हैं। अपने जल-स्रोत और पानी के लिए प्रसिद्ध कोंकण क्षेत्र में भी इस बार पानी की कमी हो गयी है। कोंकण के 4 जिलों—सिंदूरगढ़, रत्नागिरि, रायगढ़ और थाने में पानी की भयंकर कमी आ गयी है। इस क्षेत्र की महिलाओं को पीने के पानी के लिए कोसों तक दूर जाना पड़ रहा है। इन 4 जिलों में कई वर्षों से यह स्थिति पैदा हो गयी है। थाना जिले के बसई ताल्लुक में पानी को लेकर दो गुट हो गए हैं और इनमें रक्तपात भी हुआ है कोंकण क्षेत्र के 554 गांवों की जनता पानी के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हो गयी है। इसी तरह विदर्भ के अमरावती, नागपुर और अकोला जिले में पानी की कमी के कारण 50 प्रतिशत से अधिक खेती नष्ट हो गयी है। संभाजीनगर, पुणे, नासिक अहमदनगर, जिलों में भी पानी की कमी है। इन जिलों के 566 गांवों और

509 गांवों में टैंकर और बैलगाड़ियों द्वारा पानी पहुंचाने का आदेश दिया गया है। इस समय संभाजी नगर में 280, पूना में 181, नासिक में 101, अहमद नगर में 92, शोलापुर में 87 अकोला में 61 गांव में पानी की कमी दूर करने की व्यवस्था की गई है; लेकिन इन जिलों, अमरावती में 2596, नागपुर में 1056, नासिक में 988 पूना में 630 गांव में अभी पानी की कमी बनी हुई है।

महोदया, यद्यपि महाराष्ट्र में नई सरकार को शासन संभाले हुए अभी एक महीना हुआ है, लेकिन उसने राज्य में पानी की कमी दूर करने और सूखे से निपटने के लिए पर्याप्त प्रयास किए हैं। राज्य में सक्रिय टैंकर लॉबी के द्वारा, किए जा रहे गैर-कानूनी कार्यों को रोकने के लिए राज्य सरकार ने टैंकर जब्त करने के आदेश दिए हैं। राज्य सरकार ने पानी की कमी दूर करने के लिए 66 करोड़ की राशि तत्काल स्वीकृत कर दी है। राज्य सरकार ने सूखे से प्रभावित क्षेत्रों में कर वसूली रोक दी है, किसानों के ऋणों को दीर्घकालीन ऋणों के रूप में बदल दिया है, किसी तरह का नया कर लागू न करने का निर्णय किया है, लेकिन, महोदया, राज्य सरकार सूखा-ग्रस्त राज्य में पानी की कमी को अपने स्तर से दूर नहीं कर पाएगी। मेरी केन्द्रीय सरकार से इस सदन के माध्यम से मांग है कि वह राज्य-सरकार को भरपूर आर्थिक मदद तत्काल उपलब्ध कराए जिससे कि राज्य की जनता पानी की कमी और सूखे की समस्या से निपट सके और राहत पा सके। धन्यवाद।

SHRI JAGESH DESAI (Maharashtra): I totally agree with Shri Satish Pradhan, but I would like to make another suggestion. Madam, for-the Chief Minister's Earthquake Relief Fund 100 percent contribution. as allowed by way of Income-Tax deduction. " Similarly, through you. Madam, I would request Shri Pradhan to take up this matter with the Chief Minister and see that he also establishes a certain fund for drought relief. ' It should be a separate fund. I am sure that the Finance Minister will-look' into it and give a 100 Per cent exemption to the contribution given by the people. If that is done, the Government of Maharashtra will get a lot of funds and this problem can be solved to a large extent. The Minister for Rural Development is sitting here. He must send his team to Maharashtra to find out the actual facts and try to give as much help as possible. Thank you, Madam.

SHRI GOPALRAO VITHALRAO PATIL (Maharashtra): Madam, i as sociate myself.

THE DEPUTY CHAIRMAN-. Everybody wants to associate himself with Maharashtra. I am happy *(Interruptions)* ... In the morning, Mrs. Renuka Chowdhury also associated herself with Andhra Pradesh,. . .. *(Interruptions) . . .*

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal); The drought condition arising out of paucity of rain, has become an all India feature. (Interruptions) Let the Government inform the House as to what steps are being proposed to be taken to tackle this drought situation. The drought condition affects the harvest and if the harvest is affected, then the whole economy will also tie affected. I wish that the Government makes its statement at the earliest to let is know is plan, so far as the drought condition in this country is concern-ed.

SHRI H.. HANUMANTHAPPA (Karnataka); Madam, because of this drinking water problem has also arisen. In our State, people are not getting water even up to the debt of 300 to 409 ft. We are facing the problem .of drinking water also. The Government should take, immediate steps in this regard.

**उपसभापति** : लीडर साहब यहां बैठे हैं। उन्होंने देखा होगा, सुना होगा अभी।